केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 335 बुधवार 1 जुलाई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा–2026 को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा–2026 को सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों, सेक्टर मजिस्ट्रेटों, स्टेटिक मजिस्ट्रेटों तथा केंद्र व्यवस्थापकों के साथ परीक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा राज्य की महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। इसकी शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, विद्युत आपूर्ति, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, साफ–सफाई, बैठने की समुचित व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होने बताया कि जनपद में 20 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है, यह परीक्षा 2 जुलाई 3 जुलाई व 4 जुलाई 2026 को आयोजित होगी। इन सभी केन्द्रों पर प्रत्येक दिवस कुल 7608 परीक्षार्थी शामिल होगे। प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेटों की ड्यिूटी लगायी गयी है।

मतदेय स्थलों के निर्धारण की प्रक्रिया शुरू

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। आगामी निर्वाचन की तैयारियों के तहत जिले में मतदेय स्थलों के संभाजन एवं पुनर्निधारण की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इस संबंध में मंगलवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गयी । बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ.प्र. के निर्देशानुसार जिले के सभी मतदेय स्थलों का पुनः परीक्षण कराया जा रहा है। आयोग के मानको के अनुसार मतदेय स्थलों पर 1200 से अधिक मतदाता है, उनका विभाजन कर नये मतदेय स्थल बनाये जायेंगे ताकि मतदान प्रक्रिया अधिक सुगम, व्यवस्थित व पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराया जा सकें। उन्होने कहा कि 24 जून से 31 जुलाई 2026 तक विभिन्न चरणों में भौतिक सत्यापन, मतदेय स्थलों का पुनर्निधारण, प्रारूप सूची का प्रकाशन, आपत्तियों का परीक्षण कर नियमानुसार उनका निस्तारण भी किया जायेंगा। उन्होने बताया कि मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निधारण एवं नये मतदेय स्थल स्थापित करने हेतु भवनों का चिंहॉकन 24 से 28 जून, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तैयार करना 29 जून से 01 जुलाई, आपत्तियों एवं सुझावों हेतु मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन तथा मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची मा. प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराना 04 जुलाई, वर्तमान संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों तथा मा. प्राप्त राजैनिक दलों के साथ बैठको के आयोजन के पश्चात् शिकायतों एवं सुझावों के निस्तारण के बाद सूची को अन्तिम रूप दिया जाना 18 जुलाई, जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी संलग्नको सहित मतदेय स्थलों का प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को आयोग के अनुमोदनार्थ भेजे जाने हेतु उपलब्ध कराया जाना 25, 27 व 28 जुलाई तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा संभाजन संबंधी प्रस्ताव आयोग के अनुमोदनार्थ प्रेषित किया जाना 31 जुलाई 2026 है। बैठक में मा. प्राप्त राजनैतिक दलों के सदस्य एवं प्रतिनिधिगण, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हिमांशु कुमार, मनोज प्रकाश, सत्येन्द्र सिंह, उमाकान्त तिवारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सुभाष सिंह, ओम प्रकाश सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

चंदा चोरी पर कांग्रेस ने बीजेपी पर कसा तंज

नई दिल्ली (आभा)। राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस के ऑफिशियल एक्स हैंडल से मंगलवार को पोस्ट करके कहा गया कि बीजेपी–आरएसएस से सावधान रहने की जरूरत है। कांग्रेस की ओर से एक्स पर लिखा गया, 'मुंह में राम, बगल में छुरी। चढ़ावा चोरों से दूरी

है जरूरी।' इसी तरह एक और पोस्ट में चढ़ावा चोर लिखा गया है। एक्स पर दूसरी पोस्ट में कहा गया, 'राम नाम अपना, चढ़ावे का माल अपना।'

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बीते दिनों अयोध्या राम मंदिर चंदा गबन मामले को दुखद और शर्मनाक बताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से इसकी गहन जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि देशभर के श्रद्धालुओं, महिलाओं और गरीब लोगों ने आस्था के साथ मंदिर निर्माण के लिए दान दिया था, इसलिए यह पता लगाया जाना चाहिए कि कथित गड़बड़ी कैसे और क्यों हुई। प्रियंका ने कहा कि चंदा जुटाने वालों की भी इसे सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी थी और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

लक्ष्मण निषाद के परिजनों से मिले तेजा जीः किया आर्थिक सहयोगः पीडित परिवार को बढाया ढांढस

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के मेहनौना निवासी लक्ष्मण निषाद हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मंगलवार को महादेवा विधानसभा से युवा समाजसेवी तेजाजी से मिलने पहुंचे। दुःखी परिवार से मिलकर तेजाजी ने आर्थिक सहयोग किया और उन्हें ढांढस बधाया।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में चलकर उनकी बेटियों के शादी मैं भी सहयोग किया जाएगा। महादेवा विधानसभा में तेजा जी के इस पहल का ग्रामीणों ने स्वागत किया। उन्होने लक्ष्मण निषाद के परिजनों से मिलकर सदैव सहयोग और समुचित न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

उन्होने पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली और कहा कि पीड़ित परिवार के साथ वे मजबूती से खड़े है। कहा कि दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाया जाए। कहा कि कानून–व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। वे पीडित परिवार को हर संभव सहयोग जारी रहेंगे। तेजाजी के मेहनौना गांव पहुंचते ही बड़ी संख्या में लोग लक्ष्मण निषाद के घर पहुंचे और अन्याय, जुल्म और हत्या के बारे में जानकारी दी।

इस दौरान तेजाजी के साथ सूरज चौधरी, अनूप चौधरी, दीपक चौधरी, बेचन ग्राम प्रधान प्रधान, अमित चौधरी, नवीन, राम आधार आदि लोग उपस्थित रहे।

खबर का असर, बनने लगी सड़क

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

इटवा (सिद्धार्थनगर)। भारतीय बस्ती में प्रकाशित 'गड्ढों में तब्दील सड़क बनी हादसों का कारण, जिम्मेदार मौन' शीर्षक समाचार का बड़ा असर देखने को मिला है। समाचार में डुमरियागंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत कमहरिया खुर्द से होकर डिहवा सिसवा गिद्धौरा मार्ग गुजरने वाली जर्जर सड़क की बदहाल स्थिति, बड़े–बड़े गड्ढों, जलभराव तथा लगातार हो रही दुर्घटनाओं की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया था।

गड्ढों में तब्दील सड़क बनी हादसों का कारण, जिम्मेदार मौन
—भारतीय बस्ती संवाददाता—
—रवि पाठक—

समाचार प्रकाशित होने के बाद लोक निर्माण विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए 500 मीटर आरसीसी सड़क निर्माण कार्य शुरू करा दिया है। निर्माण कार्य प्रारंभ होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि सड़क बनने से वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा और आवागमन सुरक्षित व सुगम हो जाएगा।

ग्रामीणों ने जनहित के इस मुद्दे को प्रमुखता से प्रकाशित करने के लिए भारतीय बस्ती का आभार व्यक्त किया तथा विभाग से निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरा कराने की मांग किया।

संचारी रोग नियंत्रण के लिये नगर पालिका क्षेत्र में चलेगा विशेष अभियान- नेहा वर्मा

—बैठक में फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव, विशेष स्वच्छता पर जोर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मंगलवार को नगर पालिका परिषद सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की बैठक अध्यक्ष नेहा वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। अध्यक्ष नेहा वर्मा ने साफ–सफाई की व्यवस्था और मच्छरजनित बीमारियों मलेरिया आदि से बचाव पर चर्चा एवं निर्देश देते हुये कहा कि 1 जुलाई से शुरू हो रहे संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान में पूरी तत्परता के साथ कियान्वयन कराया जाय।

बैठक में वार्डों की सफाई व्यवस्था, नालियों की नियमित सफाई, जलभराव वाले स्थानों पर विशेष ध्यान, फॉगिंग एवं एंटी लार्वा छिड़काव सहित अन्य आवश्यक कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई। अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी देने पर भी जोर दिया गया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि बरसात के दिनों में बीमारियां बढ जाती है। ऐसे में नगर पालिका के सभी वार्डो में स्वच्छता अभियान और तेज कर दिया जाय।

बैठक में मुख्य रूप से सभासद मृदुल शुक्ला, मलेरिया इंस्पेक्टर विशाल मौर्य, प्रमोद कुमार, अवधेश यादव, मो. अमन, विक्रम चौहान, विवेक श्रीवास्तव के साथ ही सफाई से जुड़े सफाई नायक एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नहीं हट रहा है तालाब से कब्जा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। कुदरहा विकास खण्ड के ग्राम बैड़ारी मुस्तहकम में आदेश के बावजूद गाटा संख्या 494/0.298 हेक्टेयर तालाब की भूमि से अवैध कब्जा न हटाये जाने से नाराज ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि हल्का प्रभारी कानूनगो और लेखपाल लगातार कब्जा हटवाने में आना कानी करने के साथ ही कब्जा करने वालों को ही संरक्षण दे रहे हैं।

बैड़ारी मुस्तहकम निवासी दिनेश कुमार ने उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में कहा है कि गांव के ही रामचन्द्र पुत्र रामभूरत आदि ने तालाब भूमि के एक हिस्से पर सहन एवं सहन–दरवाजे के रूप में नल लगाकर तथा अन्य संसाधनों का उपयोग कर अनधिकृत कब्जा कर लिया है। मामला पहले उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में विचाराधीन रहा, जहां से 8 मई 2024 को पारित आदेश द्वारा पूर्व के आदेश 1 अप्रैल 2021 को निरस्त कर मामले के पुनर्निस्तारण का निर्देश दिया गया था।

उच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में राजस्व टीम गठित कर मौके की जांच कराई गई, जिसमें स्थलीय निरीक्षण व नक्शे से स्पष्ट हुआ कि उक्त भूमि तालाब की भूमि है तथा इस पर अनाधिकृत कब्जा किया गया है. इसके बाद तहसीलदार न्यायालय ने 28 फरवरी 2026 को आदेश पारित

—हल्का प्रभारी कानूनगो और लेखपाल पर लगाये मिलीभगत के आरोप

कर उक्त भूमि से अतिक्रमण हटाने, क्षतिपूर्ति के रूप में रामचन्दर पर 16,500 रुपये और रामलौट और छोटेलाल पर 42900, राजाराम पर 62600 रूपये की वसूली तथा वाद बेदखली की कार्यवाही पूर्ण करने का निर्देश दिया था।

ग्रामीणों का आरोप है कि आदेश पारित होने के बावजूद अब तक भूमि को खाली नहीं कराया जा सका है और जिम्मेदार कानूनगो व लेखपाल स्तर पर आदेश का अनुपालन नहीं हो पा रहा है। प्रार्थना पत्र में दिनेश यादव व अन्य ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से अपील की है कि 28 फरवरी 2026 के आदेश का तत्काल अनुपालन कराते हुए कब्जा खाली कराया जाए।

हिस्ट्रीशीटर ने कुत्ते को जिन्दा जलाया एसपी से लगाया न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र के पुराना डाकखाना मोहल्ले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मुहल्ला निवासी श्रीमती शीला गुप्ता पत्नी ब्रह्मानंद ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर हिस्ट्रीशीटर कृष्णानन्द सहित उनकी पत्नी मंशा देवी के साथ ही सुमित, निसांत और सूरज पर बेजुबान कुत्ते के ऊपर पेट्रोल छिड़ककर जिन्दा जलाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। कृष्णानन्द का कहना है कि कुत्ते ने उनके छत पर शौच कर दिया था।

एसपी को दिये पत्र में कहा गया है कि गत 28 जून 2026 की शाम कृष्णानन्द सहित आरोपियों ने मिलकर ब्रह्मानंद के घर की छत पर बैठे कुत्ते पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दिया। कुत्ते की चीख–पुकार सुनकर

पीडित ब्रह्मानंद

शिकायतकर्ता का नाबालिग पुत्र जीत गुप्ता उसे बचाने पहुंचा, तो आरोपियों ने उसे भी पेट्रोल छिड़ककर जलाने की धमकी दी और गाली–गलौज करते हुए जान–माल की धमकी देने लगे।

ब्रह्मानंद ने बताया कि घटना की सूचना उन्होंने डायल 112 पुलिस को दी, मौके पर पहुंचने पर आरोपियों ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल किया, जिसका ऑडियो–वीडियो भी मौजूद होने का दावा किया गया है. इसकी जानकारी थानाध्यक्ष कोतवाली को फोन के माध्यम से भी दी गई। शिकायती पत्र में यह भी कहा गया है कि उक्त आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में भी दर्जनों आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वे क्षेत्र में लगातार आपराधिक कृत्य करते रहते हैं तथा आर्थिक प्रभाव के बल पर बचते आ रहे हैं।

पीड़िता शीला गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक से उक्त सभी आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है. मामले में अब तक पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई है।

जीएस हास्पिटल के चौथे स्थापना दिवस पर निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजनः186 मरीजों का उपचार, जांच और दवाओं में मिली छूट

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जीएस हॉस्पिटल के चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर विभिन्न रोगों का निशुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य जांच कराई। कुल 186 मरीज देखे गये जिसमें यूरो, न्यूरो से सम्बंधित मरीज शामिल रहे। खून जांच, अल्ट्रासाउंड, दवा में मरीजों को छूट दिया गया।

शिविर में वरिष्ठ फिजिशियन डा. अंकित चतुर्वेदी ने पेट, किडनी, हृदय, लिवर, शुगर तथा अन्य सामान्य बीमारियों से संबंधित मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया। वहीं स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. श्वेता तिवारी ने महिलाओं से संबंधित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का परीक्षण कर उन्हें उचित उपचार एवं आवश्यक सलाह प्रदान की। आर्थो के

डा सौरभ द्विवेदी ने 16 मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया।

अस्पताल के डायरेक्टर अमित चौबे ने बताया कि जीएस हॉस्पिटल के स्थापना दिवस पर प्रत्येक वर्ष निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया जाता है। हास्पिटल में आयुष्मान कार्ड धारकों के लिये निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। उन्होने बताया कि मौसम खराब होने के बावजूद बड़ी संख्या में मरीज शिविर में पहुंचे, जो अस्पताल के प्रति लोगों के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने मंडल क्षेत्र के सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी अस्पताल जनसेवा के लिए इसी तरह स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता रहेगा।

शिविर के दौरान मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से निशुल्क परामर्श मिलने पर लोगों ने अस्पताल की इस पहल की सराहना की।

डा. सुनीता सिंह ने किया मोनालिसा फैशन एण्ड व्यूटी केन्द्र का उद्घाटन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मंगलवार को हरैया विधायक अजय सिंह की धर्म पत्नी डा. सुनीता सिंह ने गांधीनगर के गौरीदत्त धर्मशाला के निकट मोनालिसा फैशन एण्ड व्यूटी केन्द्र का विधि विधान से फीता काटकर उद्घाटन किया। कहा कि यह बुटीक उन लोगों के लिए एक बेहतरीन डेस्टिनेशन है जो ट्रेंडी और कस्टम–मेड कपड़ों के शौकीन हैं। यहां महिलाओं लिए एथनिक वियर, डिजाइनर साड़ियों, वेस्टर्न ड्रेसेस, या हैंडवर्क, का एक एक्सक्लूसिव कलेक्शन उपलब्ध है। यहां महिलाओं को अब सौन्दर्य प्रसाधन के साथ ही अब बेहतर वस्त्र भी मिल सकेंगे जो बस्ती के लिये बड़ी उपलब्धि है।

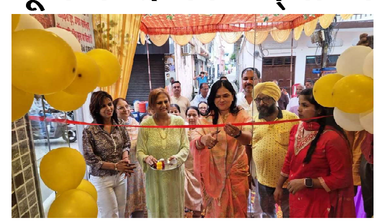

मोनालिसा फैशन एण्ड व्यूटी केन्द की प्रोपराइटर हरसरन कौर ने कहा कि उनका उद्देश्य अपने ग्राहकों को किफायती कीमतों पर लेटेस्ट फैशन और बेहतरीन फैब्रिक उपलब्ध कराना है। हम हर ग्राहक की पसंद के अनुसार पर्सनलाइज्ड डिजाइनिंग की सुविधा भी दे रहे हैं। उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों ने बुटीक के इंटीरियर और कपड़ों के कलेक्शन की काफी सराहना की।

उद्घाटन अवसर पर मिन्नी लारेंस, कंचन श्रीवास्तव, शालिनी भानिरामका, सौम्या अरोरा, रितु गुलस्ता, श्वेता यादव, ऊषा चौधरी, कला अग्रवाल, आशा अग्रवाल, कुसुम चौधरी, विमला सिंह, नमिता श्रीवास्तव, मधु चौधरी, डा. अरूण, श्रीधर दूबे, केशरी नरायन त्रिपाठी, सन्तोष सिंह, अजय सिंह, अवधेश सिंह, नरेन्द्र सिंह, कुलवेन्द्र सिंह, दीपेन्द्र सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

समाजवादियों ने 36 अंग्रेजों को मौत के घाट उतारने वाली वीरांगना ऊदा देवी पासी को जयन्ती पर किया नमन्

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मंगलवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर 1857 की क्रांति के दौरान 36 अंग्रेजों को मौत के घाट उतार देने वाली लखनऊ की शासक बेगम हजरत महल की सेना में महिला ब्रिगेड की सेनापति वीरांगना ऊदा देवी पासी को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने वीरांगना ऊदा देवी पासी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद उनके योगदान पर चर्चा किया।

बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी 1857 क्रांति की अमर सेनानी थीं। वे ब्लैकटाइग्रैस के नाम से लोकप्रिय थीं। प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन 1857 की क्रांति के दौरान लखनऊ की शासक बेगम हजरत महल की सेना में महिला ब्रिगेड की सेनापति वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 36 अंग्रेजों को मौत के घाट उतार दिया था। उनका योगदान सदैव याद किया

—सदैव याद किया जायेगा वीरांगना ऊदा देवी पासी का योगदान– महेन्द्रनाथ यादव

जायेगा।

सपा नेता मो. स्वाले, जावेद पिण्डारी, मो. सलीम, आर.डी. निषाद, गुलाबचन्द सोनकर आदि ने कहा कि ऊदा देवी पासी स्वतंत्रता सेनानी थीं जिन्होंने 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीय सिपाहियों की ओर से युद्ध में भाग लिया था। वह अवध के छठे नवाब वाजिद अली शाह के महिला दस्ते की सदस्य थीं। इस विद्रोह के समय हुई लखनऊ की घेराबंदी के समय लगभग 2000 भारतीय सिपाहियों के शरणस्थल सिकंदर बाग (लखनऊ) पर ब्रिटिश फौज ने हमला बोल दिया था। 16 नवंबर, 1857 को बाग में शरण लिए इन 2000 भारतीय सिपाहियों का ब्रिटिश फौज ने संहार कर दिया था। इस लड़ाई के दौरान ऊदा देवी पासी ने पुरुषों के वस्त्र धारण कर बंदूक और कुछ गोला बारूद लेकर एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गई थीं। उन्होने हमलावर ब्रिटिश सैनिकों को सिकंदर बाग में तब तक प्रवेश नहीं करने दिया था जब तक कि उनका गोला बारूद खत्म नहीं हो गया। 16 नवम्बर, 1857 को 32 अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतारकर वीरगति को प्राप्त हुई।

वीरांगना ऊदा देवी पासी को उनकी जयन्ती पर नमन् करने वालों में मुख्य रूप से अरविन्द सोनकर, संजय गौतम, जोखू लाल, राहुल सिंह, नितराम चौधरी, बदरूल हसन, युनुस आलम, जितेन्द्र यादव, अजय यादव, अभिषेक यादव, अनीस, रमेश कुमार गौतम, रहमान सिद्दीकी, रवि यादव, विशाल सोनकर, अंकित यादव, गौरीशंकर के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

कबीर जयंती पर साहित्य और कला का संगम के विजेता सम्मानित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। संत कबीर दास जयंती के उपलक्ष्य में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं आराना थिएटर एवं एक्टिंग स्टूडियो द आर्ट रेवोल्यूशन एसोसिएशन, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय निबंध, कविता, चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता का मंगलवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य नई पीढ़ी को संत कबीर के समरसता, मानवता, नैतिकता और सामाजिक सद्भाव के विचारों से जोड़ना तथा विद्यार्थियों की साहित्यिक एवं कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना रहा। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं और कला प्रेमियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने संत कबीर के दर्शन और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कविता प्रतियोगिता में कबीर की शिक्षाओं से प्रेरित स्वरचित रचनाओं का पाठ किया गया, जबकि चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता में

प्रतिभागियों ने स्थानीय एवं सहज उपलब्ध सामग्री का उपयोग कर आकर्षक कलाकृतियां तैयार कीं। प्रतिभागियों की रचनात्मकता और सामाजिक संदेशों को निर्णायकों ने सराहा। संस्थान के प्राचार्य एवं उप शिक्षा निदेशक संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं को भारतीय संस्कृति, मानवीय मूल्यों और कबीर वाणी से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि तारा, नई दिल्ली के सहयोग से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का व्यापक मंच मिला है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं प्रवक्ता डॉ. गोविन्द ने बताया कि कला और साहित्य के माध्यम से बच्चों में सृजनात्मक सोच विकसित करना संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देते हैं।

समापन समारोह में डायट प्रवक्ता कल्याण पाण्डेय, सरिता चौधरी, अलीउद्दीन, इमरान खान, कनिष्ठ सहायक नवनीत वर्मा, अनिल चौधरी, रमाकांत गौतम सहित संस्थान के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 1 जुलाई 2026 बुधवार

सम्पादकीय

बीच बहस में ऑपरेशन सिंदूर

युद्धों के गोपनीयता बरती जाती है और रणनीति के लिए छल की जरूरत हो सकती है। लेकिन यह इस बात की उचित सफाई नहीं है कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने यह कबूल करने में एक साल लगा दिया कि साल 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' में छह जवानों ने जान गंवायी। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 मासूम लोग मारे गये, का बदला लेने के लिए भारत ने पाकिस्तान में सीमा–पार सैन्य हमले किये। शुरू से, सरकार 'ऑपरेशन सिंदूर' का कोई सार्थक ब्योरा साझा करने की अनिच्छुक रही है। साथ ही, उसने अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से खुद की पीठ थपथपाना जारी रखा। खेत रहे सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को उसी समय सार्वजनिक रूप से स्वीकार न करने और सम्मान न देने का उसका निर्णय किसी बुद्धिमत्तापूर्ण रणनीति की निशानी तो नहीं था। किसी सैन्य अभियान में सैनिक हताहत हो सकते हैं और किसी सैन्य योजना में, और उससे भी बढ़कर, युद्ध में जाने या न जाने के राजनीतिक निर्णय में यह एक अहम पहलू होता है। जान–माल के नुकसान के बारे में पारदर्शी न होना सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक हितों को तो पूरा कर सकता है, लेकिन राष्ट्रीय हित को नहीं। तथ्यों के बारे में चालाक और चयनात्मक बनने की कोशिश करके, सरकार ने अपनी ही विश्वसनीयता कमजोर की और उन लोगों के साथ अच्छा नहीं किया जिन्होंने युद्ध की कीमत अपनी जान से चुकायी। मई 2025 में अभियान पूरा होने के कुछ ही वक्त बाद, 11 मई 2025 को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, तब के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि दी, हालांकि उनके नाम जाहिर नहीं किये गये।

अंत्येष्टियां पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ की गयीं। अगस्त 2025 में, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह अभियान में शहीद सार्जेंट सुरेंद्र कुमार के परिवार से मिले, जबकि रक्षा मंत्रालय ने खेत रहे कर्मियों के लिए बहादुरी पुरस्कारों का भी एलान किया। भारतीय सेना के आधिकारिक सोशल मीडिया मंचों पर उसी समय श्रद्धांजलि दी गयी। विगत 28 जुलाई, 2025 को लोकसभा में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान "किसी भारतीय सैनिक को नुकसान नहीं पहुंचा"। संसद को गुमराह करने के आरोप लगने के बाद, सरकार अब सफाई दे रही है कि मंत्री की यह टिप्पणी भारतीय विमान मार गिराये जाने की खबरों के संदर्भ में थी और यह साफ करने के लिए थी कि इस मिशन में कोई पायलट मारा नहीं गया है। सरकार ने यह भी कहा है कि संघर्ष के दौरान विमानों के नुकसान से जुड़ा ब्योरा अभियानगत रूप से संवेदनशील होता है और उस बारे में कोई जानकारी देने से मना किया। अभियानगत गोपनीयता और सार्वजनिक जवाबदेही की जरूरतों के बीच फर्क किया जाना चाहिए। युद्ध इस बात को बहुत स्पष्ट तरीके से प्रदर्शित करता है कि सरकार की तमाम कार्रवाइयों की कीमत जनता चुकाती है। बुद्धिमानी से निर्णय लिये जाएं, यह सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका फायदे और नुकसान का सार्वजनिक हिसाब–किताब है।

क्यूआर कोड से दवाओं की निगरानी

स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना ने शिड्यूल एच2 दवाओं का विस्तार करते हुए इसमें ब्रांड्स की एक चयनित सूची की जगह अब समस्त रोगोपचारी (थेराप्यूटिक) वर्गों को शामिल कर दिया है। यह राजस्व आधारित विनियमन से जोखिम आधारित विनियमन की ओर एक सराहनीय बदलाव है। सरकार ने शिड्यूल एच2 की शुरुआत साल 2022–23 में की थी, जो पैक की प्रामाणिकता के सत्यापन के लिए निर्दिष्ट दवाओं के हरेक पैक पर बारकोड या क्यूआर कोड को जरूरी बनाता है। यह उस ढांचे का हिस्सा है जो ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स और निर्यात–आधारित फार्मास्यूटिकल अनुपालन से भी संबंधित है। अब, प्रोडक्ट आइडेंटिफायर, मैन्यूफैक्चरिंग लाइसेंस नंबर, बैच नंबर, और अन्य विवरणों को समेटे हुए अतिरिक्त चिह्नों से, अधिकारी दोषपूर्ण बैचों का बेहतर ढंग से पता लग सकने की उम्मीद कर रहे हैं। नकली दवाएं बनाने वाले नेटवर्कों ने लंबे समय से वैक्सीन, कैंसर की दवाओं और एंटीमाइक्रोबियल्स को निशाना बनाया है, साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने निम्न और मध्यम आय वाले देशों में बड़ी मात्रा में नकली एंटीमाइक्रोबियल्स की पहचान की है। भारत दुनिया के उच्चतम एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध दर वाले देशों में से एक है, और अध ोमानक एंटीमाइक्रोबियल्स से अधो–रोगोपचारी खुराक की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे प्रतिरोधी स्ट्रेन्स पर चयन दाब (सेलेक्शन प्रेशर) पड़ सकता है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने भी औषधीय ओपिओइड्स (अफीम से बनी दवाएं) और साइकोट्रॉपिक पदार्थों के अवैध बाजारों में 'रिसाव' पर चिंता जाहिर की है। सरकार को उम्मीद होगी कि नयी प्रणाली से यू.एस. एफडीए और यूरोपियन मेडिसिन्स एजेंसी की गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर बार–बार उत्पन्न चिंता दूर होगी, जो एक ऐसा मुद्दा है जिस पर संदूषित कफ सिरप के चलते भारत ने खुद को रक्षात्मक मुद्रा में पाया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने भी बार–बार भारत की शिनाख्त नकली दवाओं के एक प्रमुख स्रोत के रूप में की है। अमेरिकी सीमा पर जब्त कई नकली दवाएं भारत से या भारत से होते हुए आयी थीं।

जन विश्वास अधिनियम 2026 के प्रभाव स्वरूप हुए नीतिगत बदलावों के साथ, यह नया ढांचा प्रक्रियात्मक अनुपालन के अभाव और सारभूत अनुपालन के अभाव के बीच आखिरकार फर्क करता हैय और यह मानता है कि इनमें से बाद वाला ही सार्थक प्रवर्तन है। लंबी अवधि में, सरकार को अनुपालन का बोझ तर्कसंगत बनाना चाहिए और विवेकाधीन प्रवर्तन से जुड़ा भ्रष्टाचार का जोखिम खत्म करना चाहिए। सरकार को यह भी स्वीकार करना होगा कि क्यूआर कोड प्रणाली तभी कारगर होगी जब यह एक राज्य–प्रबंधित डेटाबेस से समर्थित हो जिस तक फार्मासिस्ट और विनियामक वास्तविक समय में पहुंच सकें। इसके अलावा, सभी राज्यों में इंटरऑपरेबल सॉफ्टवेयर और स्कैनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा भी होनी चाहिए। दूसरी बात, फार्मासिस्टों और उपभोक्ताओं को बिक्री से पहले दवाओं के सत्यापन की आदत विकसित करनी होगी। तीसरी बात, नयी पैकेजिंग जरूरतों और इस आईटी इंटीग्रेशन से उपजी अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं से खास तौर पर एमएसएमई विनिर्माताओं पर दबाव पड़ेगा। अंत में, नियंत्रित पदार्थों के लिए पर्चों का डेटा संवेदनशील जानकारी है और इसे एक डिजिटल गवर्नेंस लेयर के जरिए संभालने की जरूरत होगी जो अभी तक मौजूद नहीं है। लिहाजा, नया ढांचा एक फार्मेसी के रूप में भारत की प्रतिष्ठा सुधारेगा या नहीं, यह इसके क्रियान्वयन पर निर्भर है।

वरिष्ठ शिक्षकों को देनी होगी जिम्मेदारी

—सुरेश सेठ—

अगर थोड़ा–सा विश्वास वरिष्ठ शिक्षक जनों पर करके परीक्षा प्रणाली को उनके हवाले कर दिया जाता तो शिक्षक अपने पेशे के प्रति ईमानदार होते हुए अपनी अंतरात्मा का हनन कभी नहीं करेंगे।

सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत में ज्ञानार्जन की समस्या है, पुस्तक संस्कृति के घटते जाने की समस्या है। हमने 2024 में नीट की परीक्षा आयोजित की। नकल और अवैध तरीकों के इस्तेमाल के कारण परीक्षा की शुद्धघ्ता बुरी तरह से प्रभावित हुई और लाखों छात्रों को पुनरू परीक्षा देनी पड़ी। यदि इस अनुभव से सबक लेते तो इस बार दोबारा परीक्षाएं आयोजित न करनी पड़ती। लेकिन 2026 में जब फिर नीट परीक्षा आयोजित हुई तो फिर पेपर लीक का मामला उजागर हुआ। इस घटनाक्रम ने देश की पठन–पाठन, शिक्षा प्रणाली और मूल्यांकन की शुचिता के बारे में बड़े सवाल पैदा कर दिए हैं। भारत के युवाओं का भविष्य सटीक ज्ञान के बगैर अधूरा है और चोर गलियों से सफलता के प्रतिमान स्थापित नहीं किए जा सकते। देश में नीट की परीक्षा दूसरी बार जिस तरह आयोजित हुई, जिनकी कल्पना पहले कभी नहीं की गई। प्रश्न पत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने के लिए वायुसेना का इस्तेमाल, टेलीग्राम एप को बंद कर देने जैसे उपाय छात्रों को त्रिस्तरीय जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्रों में भेजा गया। बायोमीट्रिक जांच हुई, फिजिकल जांच हुई, दूसरे दस्तावेज जांचे गए। सात लाख सुरक्षा कर्मी और पर्यवेक्षक तैनात रहे। हर परीक्षा कक्ष में एक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया।

करीब 1.38 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरों से 95 हजार कक्षों पर नजर रखी गई और छात्र जाम में न फंसें, इसलिए प्रधानमंत्री भी दिल्ली एयरपोर्ट पर 45 मिनट रुके रहे। इसके बावजूद बिहार में 9 फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए । जिनमें 7 मेडिकल के छात्र थे। सबसे पहले जब पहली बार परीक्षा हुई तो 23 लाख छात्रों ने परीक्षा दी, इस बार दोबारा परीक्षा हुई तो 20 लाख छात्र परीक्षा देने बैठे। पहला सवाल यही है कि दो लाख से अधिक छात्र दोबारा क्यों नहीं बैठे? चाहे रिपोर्ट कहती है कि परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई है और कहीं गड़बड़ी की सूचना नहीं है। लेकिन गड़बड़ी तो पहले ही पैदा हो गई थी जब पहली परीक्षा के बाद दोबारा परीक्षा की घोषणा से पूरे देश में अवसादग्रस्त होकर कई युवा छात्रों ने आत्महत्या कर ली।

केन्द्र सरकार के दर्जनों मंत्रालयों के साथ राज्य सरकारों व एजेंसियों ने 37 दिनों तक एकजुट होकर काम किया। यह सही है कि परीक्षाएं पूरी तरह से सफल रहने की घोषणाएं की जा रही हैं लेकिन असल में ये कितनी सफल हुई हैं इसका पता तो परिणामों की घोषणा के साथ ही चलेगा। शिक्षाविदों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि अचानक इतने वर्षों के बाद परीक्षा व्यवस्था इतनी भयावह समस्या क्यों बन गई कि इसके आयोजन के लिए वायुसेना से लेकर लाखों पुलिसकर्मियों की मदद लेनी पड़ीय और इसके बावजूद बड़े पैमाने पर नकल करते हुए छात्र पकड़े जा रहे हैं। क्या इस स्थिति का मूल कारण वर्तमान शिक्षा प्रणाली के प्रति पैदा हुआ अविश्वास है?

आज कुछ संस्थाएं परीक्षा की ठेकेदारी कर रही थीं, उन्हीं पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने पेपर लीक किए हैं। क्यों विद्यार्थियों पर इतना अविश्वास किया गया कि उनके परीक्षा केन्द्र बदलकर उन्हें दूर–दूर तक परीक्षा देने जाना पड़ा। जैसे पहले के वर्षों में चलता रहा है क्या उसी तरह से परीक्षाएं उन्हीं केन्द्रों में नहीं करवाई जा सकती थीं, जहां से छात्र संबंध रखते थे।

अगर थोड़ा–सा विश्वास वरिष्ठ शिक्षक जनों पर करके परीक्षा प्रणाली को उनके हवाले कर दिया जाता तो शिक्षक अपने पेशे के प्रति ईमानदार होते हुए अपनी अंतरात्मा का हनन कभी नहीं करेंगे अभी भी 90 प्रतिशत शिक्षक ऐसे ही हैं। उन मासूम छात्रों के बारे में सोचा जाए जिन्होंने दिन–रात एक करके पूरी मेहनत से परीक्षाएं दीं लेकिन अचानक उन्हें यह संदेश दिया गया कि पिछली मेहनत व्यर्थ है, अब दोबारा परीक्षा दो। हम समझते हैं कि इस समस्या का समाधान यही है कि परीक्षा लेने वालों और परीक्षा देने वालों पर पूरा विश्वास किया जाए। उनके लिए सुविधाजनक केंद्र बनाए जाएं। तब असामाजिक तत्व सारा तंत्र बिगड़ने पर आमादा हो जाएं तो उन्हें चुनकर बाहर फेंकना आसान हो जाएगा।

इस समय परीक्षा प्रणाली में आमूल–चूल परिवर्तन की जरूरत है। यह नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, पूरी मेहनत और शिक्षण और शिक्षा के प्रति पूर्ण समर्पण के बिना नहीं हो सकता। अपराधी तलाश करने की जगह छात्रों की मेहनत और अध यापकों के नैतिक कर्तव्य पर विश्वास को प्राथमिकता दी जाए तो परीक्षाओं की ईमानदारी से करवाने की इस जटिल गुत्थी को सुलझाने में तनिक भी देर नहीं लगेगी। आने वाला भारत डिजिटल होने जा रहा है। यहां शिक्षा के अलग–अलग आयामों में आमूलचूल परिवर्तन होगा। एआई तकनीकें सामने आ रही हैं। साइबर शक्ति बढ़ रही है। इन्हें सीखने का क्रम चलता रहे और ईमानदारी से प्रयास किया जाए तो हर वर्ष ऐसे एक देश एक परीक्षा जैसे आयोजन निरापद ढंग से पूरे हो सकेंगे। लेखक साहित्यकार हैं।

जानलेवा गर्मी से सुलगता यूरोप खतरे की घंटी

—डॉ. आशीष वशिष्ठ—

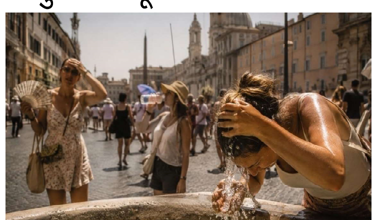

आमतौर पर ठंडा रहने वाला यूरोप अब भट्टी की तरह जल रहा है। तापमान हर दिन रिकॉर्ड तोड़ रहा है। कई हिस्सों में पारा 40 डिग्री को पार कर गया है। बढ़ती गर्मी के बीच एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़ गई है। लेकिन ब्रिटेन में इसका उलट हो रहा है। वहां गर्मी बढ़ने के बावजूद जिन घरों में एसी लगा है, उन घरों में रहने वालों को एसी हटाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों का कहना है कि एसी से बहुत ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड निकलती है और इनका इस्तेमाल सिर्फ श्आखिरी उपायश के तौर पर ही किया जाना चाहिए। ये सब ऐसे समय हो रहा है जब ब्रिटेन हीटवेव की चपेट में हैं, जिसके कारण स्कूल बंद कराने पड़े हैं, ट्रेनें रोक दी गई हैं, 4 हजार से ज्यादा ऑपरेशन टलने का खतरा है, और वहां के मौसम विभाग ने रिस्क–टू–लाइफ का रेड अलर्ट जारी किया है। ये सारी सख्तियां श्नेट जीरो पॉलिसीश के तहत हो रही हैं। पॉलिसी के अनुसार एक्टिव कूलिंग की इजाजत तभी दी जानी चाहिए जब श्पैसिव कूलिंगश के सभी तरीके आजमा लिए गए हों। यानी, एसी का इस्तेमाल तभी हो सकता है, जब और कोई उपाय न बचा हो।

कल्पना कीजिए ब्रिटेन की तरह भारत में एसी हटाने के आदेश जारी होते या जबरदस्ती की जा रही होती तो हालात कैसे होते। निश्चय ही, हालात काफी बुरे होते। भारत जैसे गर्म देश में एसी आज जरूरत बन चुके हैं, लेकिन इनका पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वहीं इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत में एसी से पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर प्रायरू उतनी चर्चा नहीं होती, जितनी होनी चाहिए।

भारत में गर्मी हर साल नये रिकार्ड बना रही है। इस साल भारत भीषण गर्मी का वैश्विक केंद्र बन गया है। विश्व के 100 सबसे गर्म शहरों में से 90 से ज्यादा भारत में है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, 1901 में विस्तृत रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से 2024 भारत का सबसे गर्म साल था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2012 से 2021 के बीच भारत में लू लगने के कारण लगभग 11,000 लोगों की मौत हुई।

भारत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ एसी बाजार है, लेकिन मौजूदा समय में केवल सात फीसदी घरों में ही एसी है। साल 2024 में रिकॉर्ड 1.4 करोड़ 2025 में लगभग 1.5 करोड़ एयर कंडीशनर यूनिटों की बिक्री हुई। अनुमान है कि सदी के मध्य तक घरों में इसके लगाए जाने में नौ गुना वृद्धि का अनुमान है। भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण पिछले कुछ सालों में एसी की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया है और अब यह लग्जरी के बजाय एक आवश्यकता बन गया है।

हालांकि एसी की बिक्री बढ़ने से बिजली की मांग भी बढ़ेगी, जो मुख्य रूप से जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले कोयले को जलाकर पैदा की जाती है। बढ़ती ऊर्जा की मांग पूरा करने के लिए बिजली उत्पादन को तीन गुना बढ़ाना होगा। 1.4 अरब की आबादी वाला देश पहले से ही जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार ग्रीन हाउस गैसों का दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। दफ्तरों और घरों में ज्यादा एसी लगने से उससे निकलने वाली गर्म हवा में भी बढ़ोतरी होगी। एसी यूनिट के अंदर रेफ्रिजरेंट और उन्हें चलाने वाली कोयले से पैदा बिजली ग्लोबल वार्मिंग को और बढ़ाते हैं। एसी का व्यापक इस्तेमाल घर के अंदर की गर्मी को बाहर निकालकर बाहर का तापमान भी बढ़ाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ और यूएन–हैबिटेट के रिसर्चों से पता चलता है कि एसी के अंदर गर्मी पैदा करने वाली मोटर खुद शहरी क्षेत्रों में तापमान को एक डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बढ़ा सकती हैं। वहीं विंडो और स्प्लिट एसी प्रक्रिया के दौरान जो पानी बाहर निकालते हैं, वह अक्सर बर्बाद होता है। इसके अलावा, कूलिंग टावरों में लाखों लीटर पानी का इस्तेमाल होता है, जो जल संकट को बढ़ाता है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के कूल कोएलिशन के मुताबिक 2050 तक भारत के उत्सर्जन में एयर कंडीशनिंग का योगदान एक चौथाई होगा और देश भर में बिजली की अध िकतम मांग का लगभग आधा हिस्सा एयर कंडीशनिंग के कारण होगा। लेकिन भारत ने इस क्षेत्र के जलवायु प्रभाव को कम करने के लिए कोएलिशन की ग्लोबल कूलिंग प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है।

भारत में हाल के दिनों में घरों, कार्यालयों, होटलों व मॉल तक में एसी का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है। जिसके चलते गर्मियों के पीक सीजन में बिजली की खपत चरम पर पहुंच जाती है। देश में भीषण गर्मी और लू की स्थिति ने बिजली की खपत को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। ऐसे वक्त में केंद्र सरकार ने एसी की पहचान बिजली की बढ़ती खपत के लिये जिम्मेदार खलनायक के रूप में की है। मई 2026 में भारत की बिजली खपत 11.55 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 164.98 अरब यूनिट पर पहुंच गई है। केंद्र सरकार योजना बना रही है कि घरों, होटलों व कार्यालयों में बीस डिग्री से अट्ठाईस डिग्री सेल्सियस के बीच इस्तेमाल होने वाले इस उपकरण की कूलिंग रेंज को मानकीकृत किया जाए।

हमें स्वयं से प्रश्न पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध–अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है।

क्या हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं? यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। यदि सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। वहीं भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है। इन उपायों से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। व्यावसायिक गतिविधि ायों को सुबह जल्दी या शाम के ठंडे समय में करने से दिन की चिलचिलाती धूप में एसी चलाने की आवश्यकता घट जाती है। इस कदम से ऊर्जा की बचत के साथ–साथ कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आती है। कार्यस्थल और घर में एसी के अधिक प्रयोग से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इस बारे में जागरूकता फैलाने की जरूरत है।

नागरिकता के दस्तावेजों पर फैलता भ्रम

—उमेश चतुर्वेदी—

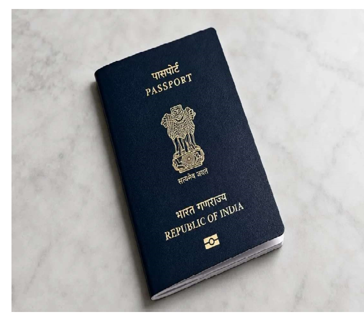

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि ा माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा। पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आध ार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम ध ारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, श्जन्म की तारीख और जन्म–स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है।

बिजली के पोल से चिपकी छात्रा, बचाने दौड़े भाई की करंट से मौत, बहन बची, बीएड परीक्षा दिलाने आया था

संवाददाता—गोण्डा। एलबीएस गेट के सामने स्ट्रीट वेंडिंग जोन के पास मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। यहां बहन को बचाने के प्रयास में युवक की करंट लगने से मौत हो गई। वहीं, बहन अस्पताल में खतरे से बाहर बताई जा रही है। बताया गया कि मूल रूप से बहराइच जनपद के भग्गड़वा बाजार निवासी सरयू डिग्री कॉलेज की बीएड की छात्रा प्राची अपने भाई विमल के साथ परीक्षा देने आई थी। यहां कॉलेज के बाहर लगे शेड के पास स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट आ रहा था। प्राची न जाने कैसे पोल से छू गई और उसे करंट लगा। वह पोल से चिपक गई।

भाई विमल ने देखा तो बहन को बचाने का प्रयास किया। उसने बहन को खींचकर अलग कर दिया, लेकिन खुद चिपका रहा गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। लोगों की मदद से प्राची को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है।

पावर कॉरपोरेशन के देवीपाटन जोन के मुख्य अभियंता यदुनाथ यथार्थ ने बताया कि नगर पालिका द्वारा लगाए गए स्ट्रीट लाइट के पोल में स्पार्किंग अथवा शॉर्ट सर्किट के कारण लीकेज करंट उतर गया था। इसके संपर्क में आने से यह हादसा हो गया। संबंधित पोल का अनुरक्षण नगर पालिका द्वारा किया जाता है। प्रथम दृष्टया इसमें विद्युत विभाग की कोई भूमिका नहीं है।

सड़क के किनारे मिला युवक का शव, गले पर निशान, हत्या की आशंका

संवाददाता—देवरिया। जिले के मईल थाना क्षेत्र के मईल चौराहा के समीप सड़क के किनारे एक युवक का शव मंगलवार की सुबह बरामद किया गया। युवक के गले में रस्सी जैसा निशान है। हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर एएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंच जांच की। सुबह राम–जानकी मार्ग पर मईल चौराहे के पास स्थित बंद पेट्रोल पंप से सटे एक युवक का शव लोगों ने देखा और इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। गले में निशान देख हर कोई हत्या की आशंका जताने लगा। सूचना मिलते ही एएसपी सुनील कुमार सिंह, बरहज सीओ राजेश चतुर्वेदी समेत अन्य पुलिस अधिकारी भी पहुंच गए।

शव की शिनाख्त लोगों ने महावीर कुशवाहा पुत्र वीरबल कुशवाहा निवासी मईल के रूप में की। पड़ोसियों का कहना है कि रात को पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। सुबह सड़क के किनारे युवक का शव मिला है। सीओ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पत्नी को बुलाया गया है। घटना के तह में पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

बाढ़ से पहले सतर्क रहें, शरणालय में मिलेगी हर सुविधा –जिलाधिकारी

संवाददाता—श्रावस्ती। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग के निर्देश पर जनपद में चल रही राहत चौपालों की श्रृंखला में मंगलवार 30 जून को तहसील जमुनहा के अंतर्गत बहोरवा, ब्लॉक कार्यालय जमुनहा, लालबोझा दर्वेशगांव, लक्ष्मणनगर एवं फतेहपुर बनगाई में राहत चौपालों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि जिला प्रशासन आपदा पूर्व सूचना तंत्र को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है। वर्षा, बाढ़, आंधी–तूफान और वज्रपात से संबंधित पूर्व सूचनाएं लगातार जारी की जा रही हैं। इसके लिए प्रति ब्लॉक तीन स्वचालित वर्षा मापी यंत्र और प्रति तहसील तीन स्वचालित मौसम सूचना तंत्र स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त जनपद में दो वायु गुणवत्ता मापी यंत्र भी कार्यरत हैं। आम नागरिक ऐप के माध्यम से वर्षा, तापमान और वायु गति की जानकारी स्वयं प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ की सूचना मिलते ही नागरिक निकटतम शरणालय में शरण लें, कहीं भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवा सहित सभी आवश्यक सुविधाएं प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी।

बहोरवा राहत चौकी पर चौपाल की अध्यक्षता करते हुए उपजिलाधिकारी संजर राय ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने जरूरी दस्तावेजों को वाटरप्रूफ फाइल में सुरक्षित रखें और घर में कम से कम सात दिन का सूखा राशन अवश्य रखें। उन्होंने मोबाइल में सचेत एप और दामिनी एप डाउनलोड करने की सलाह देते हुए कहा कि सचेत एप मौसम और दामिनी एप वज्रपात की पूर्व चेतावनी देता है, जिससे समय रहते जान–माल की रक्षा की जा सकती है। इस अवसर पर एसडीआरएफ की टीम ने लक्ष्मणनगर में ग्रामीणों को बाढ़ आपदा से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी।

विद्युत आपूर्ति की बाट जोह रहा तुलसीपुर गांव, उपभोक्ताओं ने लगाया कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

कुदरहा (बस्ती)। सरकार के हर घर बिजली के दावों के बीच विकास क्षेत्र कुदरहा की ग्राम पंचायत जगरनाथपुर के पुरवा तुलसीपुर में आज भी आधा दर्जनों घरों तक बिजली की तार व खंभे नही पहुंच पाया। जिससे लोग ढेबरी व मोमबत्ती के सहारे रात गुजारने को मजबूर है। उपभोक्ता जितेंद्र, सुमन, बलिराम, कृष्णा कन्नौजिया, राकेश सहित तमाम लोगों ने बताया कि घरों मे विद्युत तार पहुंचा नहीं की विभाग ने विद्युत कनेक्शन जारी कर दिया। मजबूरी में कुछ समय तक बांस–बल्ली के सहारे दूर से बिजली पहुंचाई गई, लेकिन तेज हवा में वह व्यवस्था भी टूट गई। अब सुरक्षा को

देखते हुए ग्रामीण बिना पोल लगाए बिजली जोड़ने का विरोध कर रहे हैं।

भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली के अभाव में ग्रामीणों का जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से शीघ्र विद्युत पोल लगवाकर गांव में नियमित बिजली आपूर्ति शुरू कराने की मांग की है।

सेवानिवृत्ति व सम्मान समारोह कार्यक्रम में बीईओ के कार्य को ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे में सराहा

समय बद्धता और सरलता का नकल कर अपने जीवन में उतारने का करुगां प्रयास– आलोक कुमार पंकज

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

कुदरहा (बस्ती)। ब्लाक सभागार में खंड शिक्षा अधिकारी के सेवानिवृत्ति पर मंगलवार को प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष ओम प्रकाश पांडेय के नेतृत्व में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे व बीडीओ आलोक कुमार पंकज ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अनिल दुबे ने कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी बहुत ही सरल व कर्मठ शील है। इनका चार वर्ष का कार्यकाल निर्विवाद बीत गया। जो शिक्षक स्कूल समय में कहीं दिख जाते तो उन्हें बातों की मिठास से शार्मिदा कर देते थे और फिर अगले दिन वह लेट नही होता। इनके सज्जनता के सभी लोग मुरीद है।

खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज ने बताया कि इनको जो भी जिम्मेदारी दिये उसे निष्ठा से लगाकर पूर कर देते थे। अपनी सेवा में ऐसे कर्मचारी का साथ नही मिला। इनके समय बद्धता और सरलता का नकल कर अपने जीवन में उतारने का प्रयास करुगां।

बीईओ सीपी गौड ने कहा कि पूरे सर्विस काल में इतने अच्छा शिक्षक व ब्लाक के मुखिया कहीं नही मिले। मेरी तैनाती जब इस ब्लाक में हुआ तो लोग बताएं कि आप कुदरहा जाकर फस गए। लेकिन कितना अच्छा कार्य क्षेत्र कहीं नहीं है। जिस विद्यालय की समस्या को बताया उसका निस्तारण खंड विकास अधिकारी ने त्वरित किया।

प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष चंद्रभान चौरसिया, श्रीकृष्ण त्रिपाठी, बृजेश त्रिपाठी, सीडीपीओ देवेंद्र मिश्र, कृष्ण कुमार चौधरी, अंकित सिंह, अमित पांडेय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख, बीडीओ व शिक्षकों ने अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किये। कार्यक्रम का संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष आनंद दुबे ने किया।

सम्मान समारोह कार्यक्रम में डा सुनील यादव, हरीश चौधरी, भैया राम यादव, विजय गिरी, राम प्रकाश, चंद्रिका सिंह, अभिनव कश्यप, हिमाद्री दुबे, आरती पांडेय, नीरज पांडेय, राम प्रकाश यादव, ओमकार चौधरी, सत्येंद्र मिश्रा, रामगोपाल यादव, भूपेंद्र चौधरी सहित तमाम शिक्षक, शिक्षा मित्र व अनुदेशक मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से चार झुलसे, एक गंभीर

संवाददाता—देवरिया। जिले के बैतालपुर क्षेत्र में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से चार लोग झुलस गए। इनमें पिता–पुत्र भी शामिल हैं। यह घटना तब हुई, जब सभी धान की रोपाई के दौरान बारिश से बचने के लिए एक मुर्गी फार्म के शेड के नीचे खड़े हो गए थे। घायलों को मेडिकल कालेज देवरिया में भर्ती कराया गया। गंभीर हालत में एक को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। नगर पंचायत बैतालपुर के वार्ड संख्या–9 आनंद नगर के ग्रामीण मंगलवार सुबह खेतों में धान की रोपाई कर रहे थे। अचानक तेज बारिश शुरू होने पर वे पास के एक मुर्गी फार्म के शेड में शरण लेने पहुंचे।

मुर्गी फार्म पर अचानक आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर ऋषिकेश यादव छोटू (20) उसके पिता रामप्रवेश यादव (55), रामआश्रय प्रसाद (56) और रानी (17) झुलस गए। ग्रामीण तत्काल सभी घायलों को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया लेकर पहुंचे। ऋषिकेश यादव छोटू की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों का इलाज देवरिया मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

बारिश में गेट पर गाड़ी छोड़ भीगते हुए ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे डीएम, बीडीओ समेत कई थे अनुपस्थित

संवाददाता—देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने मंगलवार को रामपुर कारखाना ब्लॉक मुख्यालय का निरीक्षण किया। बारिश के बीच गेट पर गाड़ी छोड़कर भीगते हुए डीएम ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे। आधे से अधिक कर्मचारी अनुपस्थित मिले। वहीं कई कार्यालयों में ताला बंद मिला। कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। जिलाधिकारी आफिस खुलने के 5 से 10 मिनट पहले कार्यालयों पर पहुंचने का क्रम लगातार जारी है। मंगलवार की सुबह 7:30 से ही लगातार तेज बारिश हो रही थी। उसी दौरान जिलाधिकारी रामपुर कारखाना ब्लॉक गेट पर पहुंचे। बारिश के बीच गेट पर गाड़ी छोड़कर वह भीगते हुए ब्लाक मुख्यालय पहुंच गए। कार्यालय पर एडीओ पंचायत चंद्रभूषण मणि त्रिपाठी उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने उपस्थित पंजिका का निरीक्षण किया और एडीओ पंचायत से कर्मचारियों

के बारे में पूछताछ की। खंड विकास अधिकारी भी प्रियंका चौधरी भी कार्यालय नहीं पहुंची थी। डीएम ने तत्काल खंड विकास अधिकारी को फोन लगाया और उनसे अनुपस्थिति की वजह पूछी। उन्होंने रास्ते में पेड़ गिरने से देर होने की वजह बताई। हालांकि जिलाधिकारी इस बात से संतुष्ट नहीं दिखे। जिलाधिकारी ने बारिश में भीगते ही कार्यालयों की तरफ रुख किया। कर्मचारियों की अनुपस्थिति के चलते एक दो कार्यालय में ताला बंद मिला। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और अनुपस्थित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी मंगलवार की सुबह कार्यालय खुलने से ठीक 10 मिनट पहले रामपुर कारखाना ब्लॉक मुख्यालय पहुंच गए थे। गाड़ी गेट पर खड़ी कर वह ब्लॉक गेट के अंदर चले गए और निरीक्षण शुरू किया। उनके ब्लॉक मुख्यालय पहुंचने की सूचना तत्काल आसपास के स्कूलों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंच गई। कर्मचारी शिक्षक अपने–अपने रजिस्टर दुरुस्त करने लगे। बताया जा रहा है कि जो कर्मचारी और शिक्षक अभी नहीं पहुंचे थे, उन्होंने अपना सीएल लगवा दिया।

ट्रक ने खड़ी डीसीएम को मारी टक्कर, अधिवक्ता का मकान क्षतिग्रस्त, क्लीनर घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। जनपद के इकौना थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। इकौना बाईपास स्थित भारत धर्म कांटा के पास वजन कराने के लिए सड़क किनारे खड़ी एक डीसीएम को बहराइच की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डीसीएम अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने एक अधिवक्ता के मकान में घुस गई, जिससे मकान का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत घरों से बाहर निकल आए और राहत व बचाव कार्य में जुट गए।इस दुर्घटना में ट्रक का क्लीनर घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल क्लीनर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इकौना पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही इकौना पुलिस मौके पर पहुंच गई और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाने की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वनटांगिया की समस्याओं को लेकर डीएम और डीएफओ से मिले विधायक

संवाददाता—महराजगंज। वनटांगिया ग्रामों के लोगों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने डीएम एवं प्रभागीय वनाधिकारी से मुलाकात कर उन्हें पत्र सौंपा। उन्होंने वनटांगिया क्षेत्रों में लंबे समय से लंबित विकास एवं राजस्व संबंधी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की।

विधायक ने अपने पत्र में वनटांगिया क्षेत्र के उसरहवा बीट, हथियाहवा, बलुआहिया एवं चेतरा गांवों में चकबंदी की प्रक्रिया प्रारंभ कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि चकबंदी नहीं होने के कारण ग्रामीणों को भूमि संबंधी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यदि चकबंदी का कार्य कराया जाता है तो किसानों एवं ग्रामीणों को अपनी भूमि का स्पष्ट निर्धारण होगा तथा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भी सुविधा मिलेगी। प्रभागीय वन अधिकारी से फुरसतपुर बाजार में सीसी रोड निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। विधायक ने कहा कि बाजार क्षेत्र की सड़क लंबे समय से जर्जर अवस्था में है, जिससे स्थानीय व्यापारियों, राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होती है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। उन्होंने जनहित को देखते हुए शीघ्र सीसी रोड का निर्माण कराए जाने की आवश्यकता बताई।

सदर विधायक ने कहा कि वनटांगिया क्षेत्र के विकास के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है और इन गांवों के लोगों को भी मूलभूत सुविधाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए। बारिश के दिनों में में वनटांगिया के लोगों अलग थलग पड़ जाते है। अचानक कोई बीमार हो जाय तो दवा भी नहीं क्या सकते है । ऐसे में वांटागिया के लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिए मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान उनकी प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी एवं प्रभागीय वनाधिकारी ने विधायक को आश्वस्त किया कि ज्ञापन में उल्लिखित मांगों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विधायक ने विश्वास जताया कि प्रशासन जनहित से जुड़े इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक पहल करते हुए वनटांगिया क्षेत्र के लोगों को शीघ्र राहत प्रदान करेगा।

वीरांगना ऊदा देवी पासी के शौर्य व बलिदान को किया नमन

संवाददाता—महराजगंज। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मंगलवार को वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती मनाई गई। जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव के नेतृत्व में नेताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। पदाधिकारियों ने स्वतंत्रता संग्राम में उनके संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को अपनाने व और देशभक्ति को याद किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की ऐसी वीर सेनानी थीं, जिन्होंने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ साहसपूर्वक युद्ध किया। उन्होंने कहा कि ऊदा देवी ने पुरुष वेश धारण कर रणभूमि में अंग्रेजी सेना का डटकर मुकाबला किया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनका जीवन साहस, त्याग व राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण है, जिससे नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।बाबा साहब वहीनि के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रवण पटेल ने कहा कि समाज को ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष व बलिदान को हमेशा याद रखना चाहिए तथा उनके आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ने कहा कि ऊदा देवी पासी ने विपरीत परिस्थितियों में भी अदम्य साहस का परिचय देकर महिलाओं की शक्ति व आत्मसम्मान का संदेश दिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष प्रणय गौतम, छात्र सभा के जिलाध्यक्ष यज्ञदत्त पासवान, मक्कू प्रसाद, अमरनाथ यादव, हीरालाल जख्मी, सुनील त्रिपाठी, रफीउल्लाह ने भी अपने विचार व्यक्त किए और वीरांगना ऊदा देवी के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला।

डीआईओएस को कोचिंग–लाइब्रेरी संचालको ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—गोण्डा। जिले के ट्यूशन, कोचिंग और लाइब्रेरी संचालकों ने अखिल भारतीय कोचिंग संघ के बैनर तले मंगलवार को डीआईओएस डॉ राम चंद्र को ज्ञापन सौंपकर संचालन संबंधी नियमों में शिथिलता बरतते हुए एक माह की मोहलत देने की मांग की। कोचिंग संचालकों का कहना है कि गोण्डा की शैक्षणिक एवं आर्थिक परिस्थितियां बड़े शहरों से अलग हैं, इसलिए यहां उन्हीं मानकों को लागू करना व्यावहारिक नहीं है। ज्ञापन में कहा गया कि जुलाई में बच्चों की परीक्षाएं होनी वाली है। अभिभावक और बच्चे फोन करके पूछ रहे हैं कि पढ़ाई कब से शुरू होगी। कोचिंग का संचालन न होने से जरूरतमंद और कमजोर तबके के बच्चों को काफी परेशानी होगी। जिले में बहुत बड़े कोचिंग संस्थान नहीं है इसलिए बड़े शहरों की तरह मानक हम लोगों पर न थोपे जाएं। संचालकों ने बताया कि अधिकांश कोचिंग छोटे किराए के भवनों में एक–दो कमरों से संचालित होती हैं। ऐसे में भवन एवं अग्निशमन संबंधी सभी मानकों को तत्काल पूरा करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि संस्थानों में अग्निशमन यंत्र सहित सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम किए जाते हैं। इस दौरान डॉ. अजय पाठक, अवधेश तिवारी, अजय सिंह, बृजेश कुमार, अंकुर श्रीवास्तव, सरवन सिंह, अजय कुमार श्रीवास्तव, आयुष शुक्ला, शिवपाल वर्मा सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

अयोध्या में शुरू हुआ 'ओम जगद्गुरु जनशांति धर्म समारोह', एक हजार साधक करेंगे आठ दिन तक अखंड नामस्मरण

भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में आध्यात्मिक वातावरण के बीच श्रोम जगद्गुरु जनशांति धर्म समारोह का शुभारंभ हुआ। समारोह का आयोजन जगद्गुरु जनार्दन स्वामी (मौनगिरिजी) महाराज के कृपाशीर्वाद तथा उनके उत्तराधिकारी अध्यात्म शिरोमणि जगद्गुरु स्वामी शांतिगिरिजी महाराज की प्रेरणा एवं प्रमुख उपस्थिति में किया जा रहा है। आयोजन में देशभर से आए संत–महात्मा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।ब्रह्मचारी रामानंद जी महाराज ने बताया कि समारोह का उद्देश्य मानवता के कल्याण, मानसिक शांति और समाज में सकारात्मक संस्कारों का प्रसार करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में व्यक्ति काम, क्रोध, लोभ, मोह और अन्य विकारों से ग्रसित है। ऐसे में ईश्वर का नामस्मरण और आध्यात्मिक साधना ही मन की शुद्धि तथा जीवन में शांति का प्रभावी माध्यम है।उन्होंने बताया कि समारोह के दौरान अनुष्ठान, श्रीरामचरितमानस का पाठ, अखंड हनुमान चालीसा, यज्ञ तथा अखंड नंदा दीप सहित पांच प्रमुख धार्मिक उपक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पूरे आयोजन स्थल

पर भक्ति और साधना का वातावरण बना हुआ है। ब्रह्मचारी रामानंद ने बताया कि समारोह में एक हजार से अधिक साधक भाग ले रहे हैं। सभी साधक आठ दिनों तक मौन व्रत का पालन करते हुए अखंड नामस्मरण करेंगे। कई साधक इस अवधि में केवल फल, दूध अथवा जल ग्रहण कर तपस्या करेंगे। उन्होंने कहा कि कलियुग में ईश्वर का नाम ही शांति और आत्मिक उन्नति का सबसे सरल मार्ग है तथा सामूहिक नामस्मरण से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।उन्होंने बताया कि यह सिद्ध परंपरा लगभग 50 वर्ष पूर्व महाराष्ट्र से प्रारंभ हुई थी, जिससे अब तक करोड़ों श्रद्धालु लाभान्वित हो चुके हैं। जगद्गुरु स्वामी शांतिगिरिजी महाराज पिछले 47 वर्षों से फलाहार पर हैं तथा नौ वर्षों से मौन व्रत का पालन कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में देशभर में 116 आश्रम और नौ गुरुकुल संचालित किए जा रहे हैं, जहां संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान की जा रही है।ब्रह्मचारी रामानंद जी ने श्रद्धालुओं से समारोह में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करने और प्रसाद ग्रहण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज में शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक जागृति के लिए ऐसे आयोजनों से अधिकाधिक लोगों को जुड़ना चाहिए।समारोह के उद्घाटन सत्र में मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, श्री संकटमोचन हनुमान किला के पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास सहित अनेक संत–महंत एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अयोध्या जाने की तैयारी कर रहे फरेंदा विधायक को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

संवाददाता—महराजगंज। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तरफ से नौ सदस्यों की टीम को मंगलवार को सुबह अयोध्या पहुंचना था। इसमें महराजगंज से फरेंदा विधायक वीरेन्द्र चौधरी भी शामिल थे।विधायक सोमवार की रात अपने समर्थकों के साथ अयोध्या जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उनको हॉउस अरेस्ट कर लिया।पुरंदरपुर थानाध्यक्ष गौरव राय कन्नौजिया अपनी टीम के साथ विधायक के सिंहपुर अयोध्या आवास पर पहुंचे और विधायक वीरेन्द्र चौधरी ने निकलने का प्रयास किया तो पुलिस ने उन्हें जाने से रोककर हाउस अरेस्ट कर लिया। विधायक ने कहा कि यह संविधान का हनन है। किसी को कहीं जाने से रोकना नही चाहिये। देश संविधान से चलेगा न कि पुलिस के दम पर। उन्होंने कहा कि अयोध्या देव भूमि है फिर शासन को क्या डर है? रही बात मन्दिर में चोरी की तो उसे न तो दबाया जा सकता है न ही छिपाया जा सकता है। जनता ही इसका जवाब देगी।

श्रीराम नगरी में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई मां सरयू की जयंती

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को रामनगरी में मां सरयू जयंती श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। पुण्यसलिला मां सरयू के तट पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम चलता रहा। विधि–विधान से पूजन–अर्चन, भव्य झांकियों और हजारों दीपों से सजी आरती ने सरयू तट को अलौकिक आभा से आलोकित कर दिया।दिव्य मां सरयू आरती सेवा समिति के तत्वावधान में करतलिया बाबा आश्रम पर मां सरयू का आकर्षक फूल बंगला सजाया गया। सायंकाल 5100 बत्तियों से भव्य महाआरती की गई, जिसके बाद प्रसाद वितरण और दीपदान का आयोजन हुआ। हजारों दीपों की रोशनी से पूरा सरयू तट जगमगा उठा और श्रद्धालुओं ने इस दिव्य दृश्य का भाव–विभोर होकर दर्शन किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय श्पवनश ने मां सरयू के चरणों में जनपद, प्रदेश और देश की सुख–समृद्धि की कामना की। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी मां सरयू का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम के संयोजक एवं दिव्य मां सरयू आरती सेवा समिति के अध्यक्ष तथा करतलिया बाबा आश्रम के महंत बालयोगी रामदास ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन मां सरयू का अवतरण हुआ था। उन्होंने कहा कि मां सरयू जयंती का यह आयोजन उनके आश्रम में पिछले चार पीढ़ियों से निरंतर होता आ रहा है। परंपरा के अनुसार प्रातःकाल भोग अर्पित किया जाता है और सायंकाल दिव्य आरती का आयोजन होता है। उन्होंने बताया कि यह परंपरा करतलिया बाबा सरकार के समय से चली आ रही है, जिसे आज भी पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ निभाया जा रहा है। इस अवसर पर रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत दिलीपदास त्यागी, वरिष्ठ समाजवादी नेता रामबक्स यादव, श्रीचंद यादव नीरज शास्त्री,राजीव त्रिपाठी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

राम मंदिर जाने से पहले अजय राय गिरफ्तार! होटल से उठा ले गई पुलिस

संवाददाता—अयोध्या। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय को राम मंदिर जाने से पहले ही गिरफ्तार कर पुलिस अपने साथ लेकर चली गई है। अजय राय ने कांग्रेस के नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मंगलवार को राम मंदिर जाकर रामलला का दर्शन करने का ऐलान किया था। अयोध्या के श्री पैलेस होटल में ठहरे अजय राय को सोमवार देर रात पहले हाउस अरेस्ट करने की बात सामने आई थी। इसके बाद अजय राय ने एक्स पर अपनी गिरफ्तारी की जानकारी दी और पुलिस पर जीप में बैठाकर कहीं लेकर जाने की बात कही। अजय राय की पत्नी रीना राय ने भी इसे लेकर चिंता जताई है। देर रात जीप से अजय राय को लेकर जाने पर कड़ा ऐतराज जताया है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर गरमाई सियासत के बीच यूपी कांग्रेस ने अजय राय की अगुवाई में पार्टी के नौ सदस्यी प्रतिनिधिमंडल के मंगलवार को अयोध्या में रामलला का दर्शन करने का ऐलान किया था। प्रतिनिधिमंडल में अजय राय के साथ अमेठी से सांसद केएल शर्मा, सीतापुर से सांसद राकेश राठौर, इलाहाबाद से सांसद उज्ज्वल रमण सिंह, बाराबंकी सांसद तनुज पुनिया, महराजगंज की फरेंदा सीट से विधायक वीरेंद्र चौधरी, बाराबंकी के पूर्व सांसद एपी गौतम, पूर्व एमएलसी दीपक सिंह और बाराबंकी की कुर्सी सीट से विधायक रहीं मीता गौतम को शामिल किया गया था। सोमवार देर रात ही अजय राय अयोध्या पहुंच गए थे। यहां के श्री पैलेस होटल में वह ठहरे थे। इसी बीच अयोध्या पुलिस होटल पहुंची। पहले कहा गया कि अजय राय को होटल में ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया है और बाहर आने से मना कर दिया गया है। इसी बीच देर रात अजय राय ने खुद एक्स पर बताया कि उन्हें गिरफ्तार करके पुलिस अपने साथ जीप से कहीं लेकर जा रही है। अजय राय ने लिखा कि भाजपा सरकार की तानाशाही चरम पर है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल प्रभु श्रीराम के दर्शन—पूजन के लिए जाने वाला था। मैं अयोध्या पहुंचा ही था कि भाजपा सरकार इतनी डर गई कि पुलिस मुझे होटल से गिरफ्तार कर अपनी जीप में बैठाकर ले जा रही है। सवाल किया कि अयोध्या में जमीन घोटालों और चढ़ावा चोरी करने वाले इन चढ़ावा चोरों को राम भक्तों के आने से डर क्यों लग रहा है? प्रभु के नाम पर दुकान चलाने वालों, आस्था पर पहरा देने की यह कायरतापूर्ण कोशिश निंदनीय है। अजय राय ने कहा कि हम न रुकेंगे, न झुकेंगे!

इस बीच अजय राय के बारे में कोई सूचना न मिलने पर उनकी पत्नी रीना राय ने भी चिंता जताई और कहा कि मेरे पति की आवाज दबाने के लिए भाजपा सरकार किसी भी हद तक गिरने को तैयार है। पुलिस जीप में ले जाने के बाद अब हमारे सहयोगियों को गलत जानकारियां देकर भटकाया जा रहा है। श्चढ़ावा चोरोंश के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। अगर मेरे पति को कुछ भी होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा सरकार की होगी।

बड़ी संख्या में कांग्रेसियों के अयोध्या में जुटने की आशंका में पुलिस ने पड़ोसी जिलों में भी कई नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया है। इसे लेकर कांग्रेस ने भी आक्रोश जताया है। कांग्रेस ने पूछा कि क्या यूपी में अब प्रभु श्रीराम के दर्शन करना भी अपराध हो गया है? अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का अयोध्या जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन—पूजन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। लेकिन इस यात्रा से डरी भाजपा सरकार ने कायरतापूर्ण हरकत शुरू कर दी है। अब से कुछ ही देर पहले प्रतापगढ़ के कांग्रेस जिलाध्यक्ष नीरज त्रिपाठी को पुलिस ने बिना कोई स्पष्ट कारण बताए हाउस अरेस्ट (नजरबंद) कर दिया है।

कांग्रेस ने कहा कि भगवान श्रीराम किसी एक राजनीतिक दल या विचारधारा के नहीं, बल्कि पूरे देश की आस्था और संस्कृति के प्रतीक हैं। श्रद्धालुओं को अयोध्या जाने से रोकना असंवैधानिक है। उत्तर प्रदेश सरकार दमनकारी नीति बंद करे, नजरबंद किए गए कांग्रेस नेताओं को तत्काल मुक्त करे और बिना किसी बाधा के अयोध्या जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन करने की अनुमति दे।

कांस्टेबल की पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। सर्विलांस सेल में तैनात एक सिपाही की पत्नी का शव मंगलवार को उसके किराए के मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला है। डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह घटना अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के हाजीनगर रगड़गंज स्थित एक किराए के मकान में हुई। सिपाही सौरभ पांडेय अपनी लगभग 30 वर्षीय पत्नी ज्योति पांडेय के साथ यहां रहते थे। बताया जा रहा है कि जब बच्चे स्कूल गए थे और सिपाही ड्यूटी पर था, तब ज्योति कमरे में फंदे से लटकी मिलीं। दूध देने वाले ने जब दरवाजा खटखटाया और कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने आसपास के लोगों को सूचित किया, जिसके बाद सिपाही को खबर दी गई।

सिपाही सौरभ पांडेय आनन—फानन में घर पहुंचे और अपनी पत्नी को जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीओ नीतीश तिवारी ने बताया कि 30 जून 2026 को सुबह लगभग 11:30 बजे सूचना मिली थी कि ज्योति पांडेय ने अज्ञात कारणों से फांसी लगा ली है। उनके पति सौरभ पांडेय अंबेडकरनगर जनपद की सर्विलांस सेल में आरक्षी के पद पर तैनात हैं। मृतका के दो बच्चे हैं। पुलिस ने घटना की सूचना मृतका के परिजनों को दे दी है। शव का पंचायतनामा भरा जा रहा है और पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके।

तेज रफ्तार बाइक पुलिया से टकराई, दो युवकों की मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। खेसरहा क्षेत्र के बांसी—धानी मार्ग पर मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे तेज रफ्तार बाइक की पुलिया से टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब बस्ती के दो युवक रिश्तेदारी में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बस्ती जिले के रुधौली नगर पंचायत के निवासी थे। मृतकों की पहचान 36 वर्षीय झिनकू चौहान पुत्र ज्ञान दास और 36 वर्षीय राधेश्याम के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों खेसरहा क्षेत्र के ग्राम कलनाखोर स्थित अपने संबंधी श्याम सुंदर चौहान के घर आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कोटिया पांडे गांव के पास पहुंचते ही बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बनी पुलिया से जा भिड़ी। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही खेसरहा थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनों शवों को कब्जे में लिया और पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दी गई।

नदी में डूबने से तीन महिलाओं की मौत, दो युवतियों की तलाश

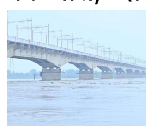

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या जिले के थाना रौनाही क्षेत्र के ग्राम सनाहा में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे नदी किनारे हादसा हो गया। नदी देखने गए एक ही परिवार के पांच लोग अचानक नदी में गिर गए, जिससे गांव में अफरा—तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। बचाव अभियान के दौरान दोपहर 2:00 बजे तीन लोगों के शव बरामद कर लिए गए। मृतकों की पहचान सजरुल (45), साहिन बानो (38) और मरियम (18) के रूप में हुई है। हादसे में लापता दो युवती नरगिश (18) और महक बानो (18) का देर शाम तक कोई पता नहीं चल सका। दोनों की तलाश के लिए पुलिस, गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से नदी में लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सभी लोग नदी देखने के लिए गए थे। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वे गहरे पानी में जा गिरे। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन बहाव और अधिक गहराई के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य का जायजा लिया। शवों को कब्जे में लेकर मर्चरी के लिए भेज दिया गया है।

दवा की दुकान में लगी आग, नकदी समेत लाखों का सामान जल कर राख

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज कस्बा के खीरा मंडी में एक दवा की दुकान में सोमवार की देर रात अचानक आग लग गई। इसमें नकदी समेत लाखों रुपये का दवा व अन्य सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।कस्बे के खीरा मंडी में हिन्दुस्तान मेडिकल एजेंसी के नाम से संचालित दवा की दुकान के संचालक संजीव गुप्त ने बताया कि सोमवार की रात में 11 बजे वह लोग भोजन कर दुकान के ऊपर आवास में सोने चले गए। तभी रात करीब ढाई बजे अचानक दुकान से कुछ दगने की आवाज आने लगी। नीचे उतर कर देखा तो सभी के होश उड़ गए।

दुकान से धुआं उठते देख तत्काल फायर सर्विस व 112 के जरिए पुलिस को सूचना दी गई। इसी बीच आग की लपटें तेज हो गईं और दुकान में रखा ग्लूकोज सहित अन्य डिब्बा बंद दवाएं दगने लगी। जब तक फायर सर्विस पहुंची, तब तक दुकान में रखा नकदी, दवा व अन्य सामान जल कर राख हो गया। एजेंसी मालिक के मुताबिक इस घटना में करीब 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक: डीएम ने दिए दुर्घटनाएं रोकने और घायलों को मदद के निर्देश

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और घायलों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना था। जिलाधिकारी ने गोल्डन आवर के दौरान सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिकों को राहगीर योजना के तहत सम्मानित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को दुर्घटना पीड़ित को लाने वाले व्यक्ति का नाम और मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से रजिस्टर में दर्ज करने को कहा। संबंधित थानों को सत्यापन कर पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में डीएम ने जनपद के चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर प्राथमिकता के आधार पर चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर, कैट्स—आई और क्रैश बैरियर जैसे सड़क सुरक्षा उपकरण लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटना संभावित स्थलों पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने सभी विद्यालयों में संचालित बसों और अन्य स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट, चालक की पात्रता और सुरक्षा मानकों का शीघ्र सत्यापन कर शत—प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के आदेश दिए। मार्गवार सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए डीएम ने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों सहित प्रमुख सड़कों के किनारे वाहनों की सुरक्षित पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसका उद्देश्य यातायात बाधित होने से रोकना और दुर्घटनाओं की संभावना को कम करना है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी), लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, सभी खंड विकास अधिकारी और एनएचएआई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रास्ता बंद होने से आक्रोशित अधेड़ पानी की टंकी पर चढ़ा

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या में कैंट थाना क्षेत्र के सहादतगंज में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक अधेड़ व्यक्ति रास्ता बंद किए जाने के विरोध में पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और सिंचाई विभाग के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और उसे सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयासों में जुट गए। टंकी पर चढ़े व्यक्ति का आरोप है कि उसके घर की ओर जाने वाले एकमात्र रास्ते पर बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे उसका आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाएगा। बार—बार शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई न होने से आहत व्यक्ति ने अंततः यह आत्मघाती कदम उठाया। मौके पर मौजूद अधिकारी उससे लगातार बातचीत कर उसे शांत कराने और सुरक्षित नीचे उतरने के लिए मना रहे हैं।घटना की खबर फैलते ही टंकी के आसपास लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके। प्रशासन स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है और मामले के शीघ्र समाधान का प्रयास किया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक व्यक्ति टंकी पर ही था और अधिकारियों की समझाइश जारी थी।

प्रेमजाल में फंसाकर नाबालिग को भगाने का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। पीपीगंज पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला—फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में वांछित आरोपी को मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।थानाध्यक्ष ने बताया कि पीपीगंज थाने में दर्ज मुकदमे के तहत वांछित आरोपी श्याम चौहान निवासी ग्राम रामपुर गरथौली, टोला लरबरी कटाई टीकर, थाना हरपुर बुदहट को भरवल चौराहे से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की मां ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि आरोपी पिछले करीब एक वर्ष से उनकी 17 वर्षीय पुत्री को प्रेमजाल में फंसाकर उससे बातचीत करता था। परिवार के लोगों ने कई बार उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। तहरीर के मुताबिक, 24 नवंबर की रात करीब आठ बजे आरोपी किशोरी को बहला—फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को भरवल चौराहे से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

प्रेमी से बात करने से मना करने पर सास पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। सोमवार देर रात करीब 11 बजे बहू ने सो रही सास पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू सास की पीठ में लगा। चीख सुनकर परिजन उठे गए तो बहू तीन महीने के बेटे को गोद में लेकर घर से भाग गई। घायल महिला को पुलिस ने एम्स में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मंगलवार को ससुर की तहरीर पर पुलिस ने बहू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। सास का आरोप है कि बहू देर रात मोबाइल पर किसी युवक से बात करती थी। टोकने और डांटने से नाराज होकर उसने जान से मारने की नीयत से हमला किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला एम्स थाना क्षेत्र की है।

एम्स थाना क्षेत्र निवासी किसान ने पुलिस को बताया कि उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता है, जबकि छोटा बेटा भी दिल्ली में काम करता है। बड़े बेटे की शादी मई 2025 में हुई थी। तीन महीने पहले बहू ने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद से वह सास—ससुर के साथ गांव में रह रही थी, जबकि पति दिल्ली में था। परिजनों के मुताबिक, सोमवार को बहू मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी। सास ने उसे टोका तो दोनों के बीच विवाद हो गया। बाद में परिवार के लोगों ने मामला शांत करा दिया। रात में सभी लोग खाना खाकर अपने—अपने कमरे में सो गए। आरोप है कि देर रात बहू सब्जी काटने वाला चाकू लेकर सास के कमरे में पहुंची और उनकी पीठ पर वार कर दिया। महिला के चीखने पर बगल में सो रहे ससुर जाग गए। इसके बाद बहू तीन महीने के बेटे को लेकर घर से निकल गई। सूचना पर पहुंची एम्स थाना पुलिस ने घायल महिला को एम्स में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायल महिला का आरोप है कि बहू का किसी युवक से अवैध संबंध है। वह रात में मोबाइल पर उससे बात करती थी। कई बार टोकने और डांटने के बाद भी उसने बात करना नहीं छोड़ा। इसी रंजिश में उसने हमला किया। हालांकि, अवैध संबंध का आरोप परिजनों का दावा है। ससुर की तहरीर पर मंगलवार को पुलिस ने आरोपी बहू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0—627
धारा 34 उ0प्र0रा0सं0—2006
अदालत— श्रीमान तहसीलदार भानपुर महोदय बस्ती जिला बस्ती

शोहरता
बनाम
केशवराम

1— केशवराम उर्फ केशराम पुत्र नन्हकू साकिन बनगवां तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 09—07—2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 25 माह 06 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

जो0च0 आकार पत्र 6—क [(नियम—26 (3)]

नोटिस

[धारा —9 क (2) के अधीन]
पुस्तक संख्या. नियम 109 क्रम संख्या.
....
वाद संख्या—का0
न्यायालय— चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती जिला बस्ती

अब्दुल समद बनाम भानमती

1. अब्दुल समद चौधरी पुत्र शाह अली 2. मु0 दुलारी बेवा रामहरख 3. अमजद अली पुत्र हौसिलदार 4. मो0 हनीफ पुत्र अमजद अली 5. दयाशंकर पुत्र गजराज 6. मु0 भानमती पत्नी राममिलन 7. नवी अहमद पुत्र अब्दुल समद निवासी ग्राम रौनाकला तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे सामने भूमि के सम्बन्ध में अधिकार और दायित्व संयुक्त दोनों का विभाजन और गाटों, पेड़ो, कूंओ तथा अन्य समुन्नितयों के मूल्य का अवधारण करने के लिये एक वाद रजिस्टर तैयार किया गया है। आपको एतद् द्वारा आदेश दिया जाता है कि ष्ट.ह्. सोनूपार 06—07—2026 को में 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या यथावत अधिकृत अभिकर्ता द्वारा उपस्थित हो। यदि आप उपस्थित न होंगे तो विवाद आपकी अनुपस्थिति में निर्णीत कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और कार्यालय के मुहर से दिनांक 29—06—2026 को जारी किया गया।

चकबन्दी अधिकारी
सहायक चकबनदी अधिकारी
मण्डल (सर्किल)....

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
पुनरीक्षण वाद सं0— /2024
अदालत— श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला—बस्ती

रामकिशुन आदि
बनाम
मु0 झमना आदि

1. स्व0 श्रीमती झमना पत्नी राम प्रसाद, 2. राम अजोर मृतक मोतीलाल, त्रिभुवन पुत्रगण रामअजोर 3. रामपति 4. छोटेलाल पुत्रगण राम प्रसाद 5. शिवकरन 6. रामकरन 7. रामचन्दर पुत्रगण स्व0 रामलखन निवासीगण ग्राम रानीपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

—रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग

8.राजमणि पुत्र वैजनाथ 9. बाबूलाल सही नाम झिनकान पुत्र बैजनाथ नवासीगण ग्राम रानीपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

—रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग

10. अधिशाषी अधिकरी नगर पंचायत कप्तानगंज तहसील हर्रैया जिला बस्ती 11. सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्टर बस्ती

—रेस्पान्डेन्ट तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 09—07—2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 09 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह 17 06 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

रोजगार सेवक करेंगे प्रदेशव्यापी आंदोलन, लखनऊ में प्रदर्शन के लिए बीडीओ को सौंपा अवकाश पत्र

संवाददाता—संतकबीरनगर। नाथनगर ब्लॉक के सभी रोजगार सेवक अपने हितों की रक्षा के लिए प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित धरना प्रदर्शन में शामिल होंगे। इसके लिए रोजगार सेवकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को सामूहिक अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र सौंपा है। मंगलवार को ब्लॉक परिसर में रोजगार सेवक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद यादव षपिंकूष की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मनरेगा के बदलते स्वरूप और रोजगार सेवकों के हितों की सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा हुई। ब्लॉक अध्यक्ष यादव ने बताया कि 1 जुलाई से मनरेगा का स्वरूप बदलकर वीबी ग्रामजी के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना को धरातल पर उतारने में रोजगार सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन नए कलेवर में उनके हितों की अनदेखी की जा रही है।

श्री यादव ने स्पष्ट किया कि प्रदेश नेतृत्व इस मामले में पूरी तरह सतर्क और तत्पर है। प्रदेश नेतृत्व ने अपनी मांगों के समर्थन में विधान भवन के सामने प्रदर्शन करने की रणनीति तैयार की है। उन्होंने ब्लॉक क्षेत्र के सभी रोजगार सेवकों से लखनऊ पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की।

बाद में, ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद यादव के नेतृत्व में रोजगार सेवकों का एक प्रतिनिधिमंडल बीडीओ कुलदीप कुमार से मिला। उन्होंने बीडीओ को 1 जुलाई से 2 जुलाई तक सामूहिक अवकाश दिए जाने का प्रार्थना पत्र सौंपा। बीडीओ कुलदीप कुमार ने उनके पत्र को स्वीकार करते हुए इसे उनका मौलिक अधिकार बताया और प्रार्थना पत्र पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। इस दौरान संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष यादव, रामराज, रामपाल, जितेंद्र यादव, जयहिंद, अशोक कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

अयोध्या की 11 ग्राम पंचायतों में नए प्रशासक नियुक्त

संवाददाता—अयोध्या। जिले की 11 ग्राम पंचायतों में प्रशासनिक कार्यों के संचालन के लिए सहायक विकास अधिकारियों (एडीओ) की मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे नियुक्त की गई है। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने इस संबंध में आदेश जारी कर संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए हैं। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब जिले की सभी ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 27 मई 2026 को समाप्त हो गया था। सामान्यतः, जिन ग्राम पंचायतों में प्रधान कार्यरत थे, वहां निवर्तमान प्रधानों को ही नियमित प्रशासनिक कार्यों के लिए प्रशासक बनाया गया था। हालांकि, इन 11 ग्राम पंचायतों की स्थिति भिन्न थी। इनमें से 10 ग्राम पंचायतों में प्रधान का पद उनकी मृत्यु के कारण पहले से ही रिक्त था, जबकि एक ग्राम पंचायत में कार्य एक समिति के माध्यम से संचालित हो रहा था। इन परिस्थितियों में प्रशासनिक व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए नए प्रशासकों की नियुक्ति आवश्यक हो गई थी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, संबंधित विकास खंडों के सहायक विकास अधिकारियों को इन ग्राम पंचायतों का प्रशासक बनाया गया है। इन ग्राम पंचायतों में पूराबाजार की राजेपुर, मसौधा की छतिरवा, सोहावल की परानापुर, हैरिंग्टनगंज की सिंधौरा, बीकापुर की रंडौली पश्चिमपाली, मानापुर और देवापुर, तारून की नसरतपुर तथा रुदौली विकास खंड की सहनी, शाहपुर और परापहाड़पुर शामिल हैं। रुदौली खंड विकास अधिकारी सूर्य प्रकाश मिश्रा ने 30 जून 2026 दिन मंगलवार को बताया कि पारापहाड़पुर ग्राम पंचायत में अब तक समिति के माध्यम से कार्य कराया जा रहा था, जिसे अब सहायक विकास अधिकारी को सौंप दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि पंचायत चुनाव होने तक इन ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आवश्यक प्रशासनिक कार्यों का संचालन नियुक्त प्रशासकों की देखरेख में किया जाएगा।

ट्रेलर ने चार साल के मासूम को रौंदा, मौके पर मौत

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के नगर पंचायत बखिरा के आयुर्वेद अस्पताल के पास मंगलवार को गलत साइड से आकर एक ट्रेलर ने चार साल के मासूम को रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिजन बदहवास हैं। नगर पंचायत निवासी रहमत अली पुत्र रमजान अली (4) घर के पास सड़क के किनारे खड़ा था। उसी समय खलीलाबाद की तरह से आ रहे एक ट्रेलर ने गलत साइड से आकर उसे ठोकर मार दी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना होने पर लोग दौड़ पड़े।

इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में लेने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रहमत अली इकलौता बेटा था। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com